AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

फिल्मों से लैंगिक मुद्दों पर किया जागरूक

लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय फिल्म फेस्टिवल का आगाज

संवाद न्यूज एजेंसी

फिल्म फेस्टिवल में महिलाओं को जीवन की चुनौतियों से लड़ने का हौसला दिया गया। -संवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को तीन दिवसीय फिल्म फेस्टिवल शुरू हुआ। महिला अध्ययन संस्थान की ओर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

इसमें संस्थान की छात्राओं को फिल्में दिखाकर लैंगिक मुद्दों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही महिलाओं को जीवन में आने वाली चुनौतियों से लड़ने का हौसला भी दिया गया।

फिल्म फेस्टिवल की आयोजक महिला संस्थान की समन्वयक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाएं हर दिन जीवन में लैंगिक भेदभावों से दो-चार होती हैं। सिनेमा महिलाओं के एक बड़े वर्ग को उनके साथ होने वाले भेदभावों को लेकर जागरूक कर सकता है। इसमें मीडिया की भी बड़ी भूमिका है। बताया कि पहले छात्राओं को लज्जा फिल्म दिखाई गई, जिसे उन्होंने रोचकता के साथ देखा और फिल्म का संदेश समझा। इस अवसर पर डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, प्रो. अरविंद अवस्थी, प्रो. मधुरिमा लाल, प्रो. राकेश चंद्रा समेत अन्य शिक्षक थे।

डिफेंस कॉरिडोर के भूमि अधिग्रहण का सामाजिक मूल्यांकन करेंगे लविवि शिक्षक

लखनऊ। लविवि के दो शिक्षक डिफेंस कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन करेंगे। यह डिफेंस कॉरिडोर सरोजनीनगर के भटगांव में बनाया जाना है। इसके निर्माण के लिए गांव को दूसरी जगह बसाना होगा।

इसके लिए लविवि के समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय तथा समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ. पवन मिश्रा को जिम्मेदारी दी गई है। इस समिति में दो गैर सरकारी वैज्ञानिक के तौर पर मणिंद्र कुमार तिवारी और डॉ. रुपेश कुमार सिंह शामिल हैं।

प्रो. अनूप भारतीय और डॉ. पवन मिश्रा विशेषज्ञ समिति में

योजना के तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में यूपीडा के उपजिलाधिकारी हैं। पंचायत प्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र पंचायत सदस्य राम चंद्र तथा रवि वर्मा को समिति में जोड़ा गया है। इन्हें भूमि अर्जन, पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम के 2013 के तहत रिपोर्ट देनी है। इसी के आधार पर मुआवजा तथा गांव को दूसरी जगह बसाने की प्रक्रिया होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

लखनऊ। मजदूर दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने महमूदाबाद छात्रावास में श्रमिकों का सम्मान किया।

कुलपति ने उपहार देकर अभिनंदन किया। कुलपति ने कहा, देश के निर्माण में श्रमिकों का अहम योगदान है। इनके अनुभव और श्रम के कारण ही बड़ी से बड़ी परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। देश के हर नागरिक को इनका धन्यवाद करना चाहिए। अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजय मेधावी, डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, प्रो. अरविंद अवस्थी आदि थे।

नेट क्वालीफाई छात्रों का प्रतिशत बढ़ाएगा लविवि

लखनऊ। लविवि के दर्शन विभाग की ओर से सोमवार को उड़ान कार्यक्रम के तहत साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य यूजीसी नेट की तैयारी करने वालों को अकादमिक सहायता देकर विश्वविद्यालय में उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत बढ़ाना है। मुख्य वक्ता डॉ. सतीश तिवारी ने नेट में आने वाले प्रश्नों की बारीकियां बताईं। उन्होंने कहा, अगर नियमित चार घंटे भी पढ़ाई कर लें तो एक प्रयास में नेट पास कर सकते हैं। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के सवालों का जवाब दिया। अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव सहित शिक्षक और विद्यार्थी थे। (संवाद)

NBT PAGE 6

डॉ.डीआर साहू बने पुस्तकालयाध्यक्ष

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के समाजशास्त्र विभाग के एचओडी डॉ.डीआर साहू को सोमवार को एक और जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्हें टैगोर लाइब्रेरी का अवैतनिक पुस्तकालयाध्यक्ष बनाया गया है। रजिस्ट्रार संजय मेधावी के मुताबिक, डॉ.डीआर साहू तीन वर्ष तक इस पद पर रहेंगे। इससे पहले यह पद सोशल वर्क विभाग के डॉ.डीके सिंह के पास था।

एलयू में फिल्म महोत्सव शुरू

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के महिला अध्ययन संस्थान में वीरी प्रो.आलोक कुमार राय ने सोमवार को तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि फिल्में विभिन्न संस्कृतियों और दृष्टिकोणों में एक खिड़की प्रदान कर सकती है। लगान और लाइफ इज ब्यूटीफुल जैसी फिल्में इसका उदाहरण हैं। वहीं संस्थान की समन्वयक डॉ.मानिनी श्रीवास्तव ने कहा कि फिल्म महोत्सव का उद्देश्य नियमित रूप से महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूक करना है।

वैदिक परंपरा पर की चर्चा

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के दर्शनशास्त्र विभाग ने सोमवार को यूजीसी नेट अभ्यर्थियों को अकादमिक मदद देने के लिए उड़ान कार्यक्रम के तहत एक सप्ताह की कार्यशाला की शुरुआत की। कार्यशाला में मुख्य वक्ता श्री माता वैष्णो देवी विवि के असिस्टेंट प्रो. सतीश तिवारी ने भारतीय दर्शन की वैदिक परंपरा के बारे में विस्तार से चर्चा की।

i-NEXT PAGE 4

एलयू में तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव शुरू

सामाजिक और महिलाओं के मुद्दों से जुड़ी फिल्म दिखाई गई

LUCKNOW(1 MAY): लखनऊ विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन संस्थान की ओर से सोमवार को समाजशास्त्र विभाग के राधा कलम मुखर्जी सभागार में तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत हुई. कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने इसका उद्घाटन किया. तीन दिन तक सामाजिक और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फिल्में दिखाई जाएंगी. पहले दिन फिल्म लज्जा दिखाई गई. उसके बाद फिल्म पर छात्र-छात्राओं के साथ चर्चा हुई.

चर्चा भी की गई

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने प्रो. राय ने लगान और लाइफ इज ब्यूटीफुल जैसी प्रमुख फिल्मों के उदाहरणों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि कैसे फिल्में विभिन्न संस्कृतियों और दृष्टिकोणों में एक खिड़की प्रदान कर सकती हैं. अच्छी फिल्मों से समाज को सही दिशा भी मिलती है. ऐसी ही फिल्में प्रेरित करती हैं.

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर महोत्सव की संयोजक डा. मानिनी श्रीवास्तव, कला संकाय के डीन प्रोफेसर अरविंद अवस्थी, डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन, दर्शनशास्त्र विभाग के प्रोफेसर राकेश चंद्रा, निदेशक सांस्कृतिक प्रोफेसर मधुरिमा लाल, सामाजिक कार्य विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप भारती और विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग डा. अर्चना शुक्ला भी उपस्थित रहीं.

पांच और विषयों की मेरिट घोषित

अब तक कुल 30 विषयों की जारी हो चुकी मेरिट

विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक जल्द ही शेष विषयों के परिणाम भी जारी किए जाएंगे.

LUCKNOW (1 May): लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2022-23 सत्र के पीएचडी दाखिले के लिए लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के आधार पर पांच और विषयों की कम्प्लीट मेरिट सूची जारी कर दी. इनमें हिन्दी, एजुकेशन, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, साइकोलाजी और बायो केमिस्ट्री विषय शामिल है. अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के माध्यम प्रवेश परीक्षा व साक्षात्कार में मिले अंकों के आधार पर जारी मेरिट सूची देख सकते हैं.

अभिषेक पांडेय को पहली रैंक

साक्षात्कार के बाद आए परिणाम में पीएचडी हिन्दी विषय में अभिषेक पांडेय को पहली रैंक मिली है. वहीं, शिक्षा शास्त्र विषय में अनम जेहरा, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में चेतना सिंह, साइकोलाजी में मनीषा सिंह और बायो केमिस्ट्री में सौम्य चतुर्वेदी ने पहली रैंक हासिल की है. विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक जल्द ही शेष विषयों के परिणाम भी जारी किए जाएंगे.

अभ्यर्थी कल तक जमा करें फीस

अब तक पीएचडी दाखिले के लिए 25 विषयों में सीट आवंटन हो चुका है. इसमें चयनित अभ्यर्थियों को तीन मई तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है. इनमें जूलाजी, फिजिक्स, बाटनी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, केमिस्ट्री, डिफेंस स्टडीज, इकोनामिक्स, इंग्लिश, फ्रेंच, जाग्रफी, जियोलाजी, एंशियंट इंडियन हिस्ट्री एंड आर्कियोलाजी, एप्लाइड इकोनामिक्स, अरेबिक एंड अरब कल्चर, लिंग्विस्टिक्स, मैथ्स, ओरियंटल संस्कृत, पर्शियन, फिलासफी, फिजिकल एजुकेशन, संस्कृत, सोशल वर्क, स्टैटिस्टिक्स, उर्दू, वेस्टर्न हिस्ट्री विषय शामिल है.

AMRIT VICHAR PAGE 4

असंगठित कार्यबल पर संवेदनशील होना जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग की मैनेजमेंट एक्यूमेन सेल और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस रिसर्च एंड मैनेजमेंट ऑफ ह्यूमन रिसोर्स के सह-सहयोग से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आलोक राय ने इस मौके पर हुए कहा कि यूपी में अर्थव्यवस्था की सतत प्रगति प्राप्त करने के लिए असंगठित कार्यबल की भूमिका और प्रयासों पर संवेदनशील होने की आवश्यकता व्यक्त की।

प्रो. संगीता साहू, विभागाध्यक्ष एवं प्रधान अन्वेषक ने कहा, "यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस केंद्र संगठित और असंगठित क्षेत्र में मानव संसाधनों के अनुसंधान, विकास और प्रबंधन की दिशा में काम कर रहा है। इसका उद्देश्य इन क्षेत्रों में मानव संसाधनों के प्रबंधन के लिए आधुनिक और टिकाऊ प्रथाओं की जांच और विकास करना भी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर पोस्टर मेकिंग स्पर्धा : छात्रों को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस का महत्व समझने के लिए पोस्टर मेकिंग स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में विभिन्न कॉलेजो से कुल 30 छात्रों ने भाग लिया जिन्होंने अपने सटीक एवं विशेष ज्ञान का पोस्टर मेकिंग द्वारा प्रदर्शन किया। इस स्पर्धा की विजेता टीम में आईएमएस की तान्या राठौर, ऋषिका जायसवाल, अविश्रांत गुप्ता, द्वितीय स्थान पर बीए छठे सेमेस्टर लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम रही, तृतीय स्थान पर एमए इंग्लिश तृतीय सेमेस्टर लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम रही।

प्रो. डीआर साहू को अतिरिक्त कार्यभार

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार राय ने सोमवार को समाजशास्त्र विभाग के प्रो. डीआर साहू को मानद पुस्तकालयाध्यक्ष का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। लविवि के रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने बताया कि कुलपति ने प्रो. डॉ. डीआर साहू को लखनऊ विश्वविद्यालय को मानद पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में, टैगोर पुस्तकालय, लखनऊ विश्वविद्यालय पदभार सौंपा है। जो तीन वर्ष तक लागू रहेगा। जिसे प्रो. साहू विभाग में नियमित दायित्वों के अतिरिक्त इस कार्य निभाएंगे।

लविवि में तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव का आगाज

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन संस्थान द्वारा तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव का सोमवार को आगाज हुआ। महोत्सव की संयोजक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि आयोजन का मकसद महिलाओं की साक्षरता, घरेलू हिंसा, पुरुषवाद और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में फिल्मों का समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव है। फिल्में लोगों के दृष्टिकोण और विश्वासों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सिनेमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए 'लगान' और 'लाइफ इज ब्यूटीफुल' जैसी फिल्मों का हवाला दिया। उन्होंने फिल्मों में दिखाए गए संदेशों के बारे में अधिक समझदार और जागरूक होने के लिए प्रोत्साहित किया।

लवि : श्रमिकों को वितरित की मिठाई व फल

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर कुलपति आलोक कुमार राय ने महमूदाबाद और हबीबुल्लाह छात्रावास में काम कर रहे श्रमिकों को मिष्ठान और फल वितरित किया। उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित भी किया। उसके बाद विश्वविद्यालय में कार्यरत सफाई कर्मियों को भी फल और मिष्ठान वितरित किया गया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, डीन कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी, कुलसचिव राजय मेधावी और अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

लवि के प्रो. डीआर साहू बने आनरेरी लाइब्रेरियन

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने समाज शास्त्र विभाग के हेड प्रोफेसर डीआर साहू को टैगोर पुस्तकालय का आनरेरी लाइब्रेरियन नामित किया है। उनका कार्यकाल तीन साल या अग्रिम आदेशों तक मान्य होगा। कुलसचिव राजय मेधावी ने आदेश जारी कर दिया।

JAGRAN CITY PAGE III

खुलेंगे नए कालेज, पुराने में भी चलेंगे नए कोर्स

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 से नए कालेज व कोर्स चलाने के लिए आए 100 आनलाइन आवेदन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : नए सत्र 2023-24 से लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े कालेजों की संख्या में इजाफा हो जाएगा। इस बार पांच जिलों को मिलाकर नए डिग्री कालेज खोलने और पहले से संचालित कालेजों में नए कोर्स शुरू करने के लिए आनलाइन माध्यम से 100 आवेदन पत्र आए हैं। विश्वविद्यालय ने इसको लेकर हर कालेज के लिए पैनल भी गठित कर दिया है। पैनल में शामिल टीम को 15 मई तक निरीक्षण करके अपनी रिपोर्ट आनलाइन पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। उसके बाद कार्य परिषद की बैठक में इस पर निर्णय लिया जाएगा।

लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली व लखीमपुर खीरी को मिलाकर 545 डिग्री कालेज संबद्ध हैं। इनमें सर्वाधिक संख्या सेल्फ फाइनेंस कालेजों की है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि शासन की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार इस बार नए कालेज खोलने और पुराने कालेजों में नए अतिरिक्त कोर्स संचालन के लिए 100 आवेदन पत्र आए हैं। इसके लिए पैनल बना दिए गए हैं, जो कालेज का निरीक्षण कर कोर्स या कालेज संचालन को लेकर अपनी रिपोर्ट देंगे। कार्य परिषद की बैठक में उनकी रिपोर्ट के आधार पर अनुमति देने पर निर्णय लिया जाएगा।

लखनऊ के कई कालेजों में नए कोर्स की तैयारी

लखनऊ के कई एडेड डिग्री कालेज ऐसे हैं, जहां नए सेल्फ फाइनेंस कोर्स शुरू करने की तैयारी है। कमलीनरण पीजी कालेज में नए सत्र से एमए पालिटिकल साइंस, बीबीए और स्नातक में भूगोल, इतिहास और अंग्रेजी शुरू होने है। प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने बताया कि पैनल बन चुके है। जल्द ही आगे की प्रक्रिया होगी। इसी तरह बाबा श्री नारायण चौरसियानल पीजी कालेज (केकेपी) में नए सत्र से एमएसारी भूगर्भ विज्ञान और शिक्षा पीजी कालेज में एलएलबी आनर्स, बीए,बीएमसी, एमए शिक्षा शास्त्र, एमए इतिहास, एमए राज-नीति शास्त्र कोर्स शुरू होना है। इन दोनों कालेजों में भी पैनल बन चुके हैं।

33 प्रतिशत श्रमिकों को ही सरकारी योजनाओं की जानकारी

लवि के व्यापार प्रशासन विभाग के सेंटर आफ एक्सीलेंस प्रोजेक्ट के तहत किया गया सर्वेक्षण

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग की मैनेजमेंट एक्यूमेन सेल व सेंटर आफ एक्सीलेंस के सह-सहयोग से सोमवार को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम का संचालन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर हुई इस प्रतियोगिता के दौरान विभाग की हेड डा. संगीता साहू ने सेंटर आफ एक्सीलेंस से जुड़े प्रोजेक्ट की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सेंटर आफ एक्सीलेंस ने हाल ही एक प्रोजेक्ट के तहत असंगठित श्रमिकों पर प्रारंभिक सर्वेक्षण कराया था, जिसमें सब्जी, फल व्यापारी, निर्माण श्रमिक, ई रिक्शा चालक, सड़क किनारे मिठाई की दुकान असंगठित व्यवसाय वाले शामिल थे। इन सभी उत्त लगभग 34 वर्ष थी। इनकी आय 10,323 रुपये महीना थी। पता चला कि 33 फीसद श्रमिक ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानते थे।

आइएमएस की टीम विजेता : इस अवसर पर हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में आइएमएस की तान्या राठौर, ऋषिका जायसवाल, अविश्रांत गुप्ता (आईएमएस) की टीम प्रथम, द्वितीय स्थान पर बीए छठे सेमेस्टर व तीसरे स्थान पर एमए इंग्लिश तृतीय सेमेस्टर की टीम रही। विभाग की प्रमुख डा. संगीता साहू, डा. निम्मिषा कपूर, डा. राम सिंह एवं डा. शिल्पी सिंह व अन्य शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

लवि में तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव शुरू

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन संस्थान की ओर से सोमवार को समाजशास्त्र विभाग के राधा कलम मुखर्जी सभागार में तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत हुई। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने इसका उद्घाटन किया। तीन दिन तक सामाजिक और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फिल्में दिखाई जाएंगी। पहले दिन फिल्म लज्जा दिखाई गई। उसके बाद फिल्म पर छात्र-छात्राओं के साथ चर्चा हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने प्रो. राय ने लगान और लाइफ इज ब्यूटीफुल जैसी प्रमुख फिल्मों के उदाहरणों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि कैसे फिल्में विभिन्न संस्कृतियों और दृष्टिकोणों में एक खिड़की प्रदान कर सकती हैं। महोत्सव की संयोजक डा. मानिनी श्रीवास्तव, कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी, डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. राकेश चंद्रा, निदेशक सांस्कृतिक प्रो मधुरिमा लाल, प्रो. अनूप भारती, डा. अर्चना शुक्ला भी उपस्थित रही।

जंतु विज्ञान : प्री पीएचडी परीक्षा के परिणाम जारी

लवि के जंतु विज्ञान विभाग ने सोमवार को प्री-पीएचडी 2021-22 के परिणाम जारी कर दिए गए। विभाग के हेड प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि यह परीक्षा 200 अंकों की थी, जिसमें 100 अंक लाने अनिवार्य हैं। 23 में 20 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा पास की है। सिनाप्सिस जमा करने की अंतिम तिथि 10 मई है। छह मई को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) में इन सभी छात्र-छात्राओं का प्रजेंटेशन होगा, जिसमें सुपरवाइजर आवंटित किए जाएंगे।

पीएचडी के पांच और विषयों की मेरिट घोषित

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2022-23 सत्र के पीएचडी दाखिले के लिए लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के आधार पर पांच और विषयों की कम्प्लीट मेरिट सूची जारी कर दी। इनमें हिन्दी, एजुकेशन, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, साइकोलाजी और बायो केमिस्ट्री विषय शामिल है।

अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के माध्यम प्रवेश परीक्षा व साक्षात्कार में मिले अंकों के आधार पर जारी मेरिट सूची देख सकते हैं।

साक्षात्कार के बाद आए परिणाम में पीएचडी हिन्दी विषय में अभिषेक पांडेय को पहली रैंक मिली है। वहीं, शिक्षा शास्त्र विषय में अनम जेहरा, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में चेतना सिंह, साइकोलाजी में मनीषा सिंह और बायो केमिस्ट्री में सौम्य चतुर्वेदी ने पहली रैंक हासिल की है। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक जल्द ही शेष विषयों के परिणाम भी जारी किए जाएंगे।

THE PIONEER PAGE 3

FILM FESTIVAL

The Institute of Women's Studies at Lucknow University hosted the inaugural ceremony for their 3-day film festival on Monday. Convener Manini Srivastava said the film festival celebrates the power of movies to influence our culture and psyche and how it can be utilised for good. The festival aims to explore the intersection of gender and cinema, bringing together film enthusiasts, academics, and filmmakers to discuss how the medium can shape our understanding of gender and social justice issues. Vice-Chancellor Prof AK Rai highlighted the importance of cinema in the curriculum. He also cited examples from prominent movies, emphasising how films can provide a window into different cultures and perspectives.

HINDUSTAN TIMES PAGE 4

Three-day film festival kicks off at LU's Institute of Women's Studies

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The Institute of Women's Studies at the University of Lucknow hosted the inaugural ceremony of its three-day film festival on Monday.

Festival convener Manini Srivastava said that the institute celebrates the power of movies to influence our culture and psyche, and how it could be utilised for the good.

"The festival aims to explore the intersection of gender and cinema, bringing together film enthusiasts, academics, and filmmakers to discuss how the medium can shape our understanding of gender and social justice issues," she said.

Speaking at the inaugural ceremony, university vice chancellor Prof Alok Kumar Rai highlighted the importance of cinema in the curriculum.

SPEAKING AT THE INAUGURAL CEREMONY, UNIVERSITY VICE CHANCELLOR PROF ALOK KUMAR RAI HIGHLIGHTED THE IMPORTANCE OF CINEMA IN THE CURRICULUM.

He cited examples from prominent movies like Lagaan and Life is Beautiful, emphasising how films can provide a window to different cultures and perspectives.

He also stressed the need for critical analysis of the media that we consume and the role of youth in debating and discussing the merits and demerits of it.

The ceremony was attended by a number of other distinguished guests, including dean faculty of arts Prof Arvind Awasthi, dean academics Prof Poonam Tandon, who was the guest of honour, special guests from department of philosophy Prof Rakesh Chandra, director Sanskritiki Prof Madhurima Lall, head department of social work Prof Anoop Bharti and head department of psychology Dr Archana Shukla.

The Institute of Women's Studies is taking an innovative approach to pedagogy, using the film festival as a tool to engage students in meaningful discussions about gender and social justice issues.

Srivastava expressed her gratitude for the support of the University and the community in making the festival a reality.

The festival will continue with screenings and panel discussions till May 3 and promises to be a thought-provoking and engaging event for all involved.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

नेट उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत बढ़ाने को हुई कार्यशाला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग ने उड़ान कार्यक्रम के अंतर्गत एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यूजीसी नेट अभ्यर्थियों को अकादमिक सहायता देना है, जिसका उद्देश्य यूजीसी नेट उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत को बढ़ाना है इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ सतीश तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, दर्शन विभाग, श्री माता वैष्णो देवी युनिवर्सिटी, जम्मू ने भारतीय दर्शन की वैदिक परंपरा का विस्तार से विवेचन किया। उन्होंने दर्शन के गूढ़तम विषयो की सरलतम रूप में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के अन्तिम सत्र में वक्ता ने प्रतिभागियों की जिज्ञासा का यथोचित समाधान देने का प्रयास किया। इस एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हेड ऑफ डिपार्टमेंट डॉ. रजनी श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलित तथा अतिथि का स्वागत करके किया। इस दौरान विभाग के सभी प्रोफेसर, शोध छात्र, छात्र-छात्राएं और कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

लविवि कुलपति ने श्रमिकों को किया सम्मानित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में श्रम दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने महमूदाबाद छात्रावास में काम कर रहे श्रमिकों को मिष्ठान, फल वितरित किया और अंगवस्त्रम पहनाकर उनका सम्मान किया। इसके बाद उन्होंने इसी प्रकार से हबीबुल्लाह छात्रावास में काम कर रहे श्रमिकों को फल, मिष्ठान वितरित किया और अंगवस्त्रम पहनाकर उनका सम्मान किया। इसके बाद कुलपति ने विश्वविद्यालय में कार्यरत सफाई कर्मियों को भी फल और मिष्ठान का वितरण किया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, डीन कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी, कुलसचिव संजय मेधावी और अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

TOI PAGE 2

Three-day film fest to explore gender issues

The event is being organised by LU's Institute of Women Studies

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Three-day film festival organized by Lucknow University's Institute of Women's Studies began on Monday.

The festival is being organised to use the influence of cinema on our sociocultural constructs and thought patterns to bring about a positive change in society, said one of the organisers.

"The film festival is aimed at exploring various themes related to gender issues by exhibiting various thought-provoking films to raise awareness about the challenges faced by women on a regular basis and initiate a discussion about the ignored dimensions of related issues," said the Institute of Women Studies Coordinator Manini Srivastava.

She said that the festival focuses on themes such as the importance of literacy for women, domestic violence, male chauvinism, and women empowerment, among others. In our country, films have a significant influence on society, and they play a crucial role in shaping people's attitudes and beliefs. Therefore, a film festival that explores gender issues can help raise awareness about the importance of gender equality and can motivate students to take action against gender-based discrimination and inequalities, she added.

Two LU faculty in panel for study on land acquisition for defence corridor project

Two Lucknow University faculty have been made part of the seven-member committee made by district magistrate Suryapal Gangwar for land acquisition under the central government's defence corridor project. Prof Pawan Kumar Misra from the sociology department and Prof Anoop Kumar Bhartiya from the social work department will study the social impact of land acquisition. "We will be studying the social impact of the defence corridor project like whether the people giving land for the project are willing, are they satisfied with the payment made and others," said LU faculty Pawan Misra.